



खंड 16: सं. 1  
Vol. 16: No. 1

अर्धवार्षिकी आर एण्ड डी न्यूज बुलेटिन [केरेउअवप्रसं-बहरमपुर]  
Half Yearly R&D News Bulletin [CSRTI-Berhampur]

जून, 2022  
June 2022

### संपादकीय



केरेउअवप्रसं, बहरमपुर संस्थान 13 राज्यों अर्थात् पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, सिक्किम, असम, मिजोरम, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा एवं अरुणाचल प्रदेश समेत पूर्वी तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के रेशम कृषकों / हितधारकों को अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों, प्रौद्योगिकी नवाचार, विस्तार अर्थशास्त्र एवं प्रबंधन, सीबीटी तथा कौशल उन्नयन व सेवा सहायता प्रदान करते आ रहा है। यह संस्थान हितधारकों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए संस्थान के 3 क्षेत्रों के एवं 9 अविके की विस्तार इकाईयों के माध्यम से रेशम उत्पादन प्रौद्योगिकी पहल के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में सतत सहायता प्रदान करते आ रहा है। इस दौरान की प्रमुख अनुसंधान एवं विकास उपलब्धियां हैं: पूर्वी तथा पूर्वोत्तर भारत के 8 राज्यों में 290 कृषकों (38 एकड़) के मध्य उच्च उपज वाली सी-2038 शहतूत प्रजाति को लोकप्रिय बनाना। सिंचित अवस्था में बेहतर पर्ण गुणवत्ता एवं निम्न पीड़क प्रकोप के साथ तीन नए जीनोटाइप सी-131, बी-30 एवं ई-13 की पहचान की गई है। 130% RDF समेत 2'x2' अंतराल का शहतूत पौधा उपयोग कर C-2038 में 20% अधिक पर्ण उपज व पोषक गुणवत्ता दर्ज की गई। चार हार्मोनल फॉर्मूलेशन यथा: बीएपी (20 पीपीएम), एसएनपी (30 पीपीएम), बीएपी + आईएए (10 पीपीएम + 2 पीपीएम) और बीएपी + एए (10 पीपीएम + 25 पीपीएम) को पॉट अवस्था में सी-2038 एवं एस-1635 प्रजाति के पर्ण वार्धक्य को देर करने में सक्षम पाया गया है। आसिता प्रतिरोधी जीनोटाइप सीबीपी-1 द्वारा उच्चतम मौसमी पर्ण उपज दर्ज की गई है जो सिंचित अवस्था में राष्ट्रीय चैक सी-2038 के बराबर एवं एआईसीईएम-IV के अधीन वर्षाश्रित अवस्था से 12% अधिक है। जैव-कीटनाशक स्पिनोसैड 45% एससी नीम केक के साथ अनुप्रयोग द्वारा शहतूत पीड़क संक्रमण कम दर्ज की गई। मूल विगलन रोग के नियंत्रण हेतु रटफिक्स [कार्बेन्डाजिम (12%)+ मैनकोजेब (63%) @ 0.20%] का परीक्षण प्रभावी पाया गया है। बीसीए क्राइसोपरला ज़ास्ट्रोवी सिलेमी को थ्रिप्स के विरुद्ध लोकप्रिय बनाया जा रहा है। पश्चिम बंगाल एवं पूर्वी तथा उत्तर भारत के लिए केन्द्रीय रेशम बोर्ड में 2.29 लाख रोमुच के कीटपालन प्रदर्शन के आधार पर क्षेत्र के लिए हाइब्रिड प्राधिकरण समिति, केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा एक नए उत्पादक ICB, 12Y x BFC1 को अधिकृत किया गया है जिसमें N x SK6.SK7 की तुलना में क्रमशः सर्वोपरि 12.5% तथा कोसा उपज एवं कवच कटेंट में 10.2% का सुधार दर्ज किया गया। ओएसटी के प्रदर्शन के आधार पर ओएफटी के लिए एक ताप-सहिष्णु द्विप्रज डबल हाइब्रिड WB 1.3 x WB 7.5 की पहचान की गई जो 82% प्यूपेशन और कोकून की उपज 13.04 किग्रा/10000 लार्वा, रीलिंग मापदंडों में भी बेहतर है।

### विचार-विमर्श (रेशम निदेशालय, प. बं.)

पश्चिम बंगाल में शहतूत कच्चे रेशम का उत्पादन पिछले कुछ वर्षों से लगभग 2300 मीट्रिक टन प्रति वर्ष है, इसका मुख्य कारण प्रौद्योगिकी का सीमित हस्तांतरण तथा कोसा की कम कीमतें हैं। इस संबंध में, श्रीमती दीपिका सान्यमाथ, आईएएस, आयुक्त, रेशम निदेशालय, पश्चिम बंगाल द्वारा निदेशक, केरेउअवप्रसं, बहरमपुर, रेशम निदेशालय के अधिकारियों, उप सचिव, क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए 13<sup>वीं</sup> अप्रैल 2022 को कोलकाता के रेशम उत्पादन आयुक्तालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। डॉ. सी.एम. किशोर कुमार, निदेशक, डॉ. जी. श्रीनिवास, वैज्ञानिक-डी एवं डॉ. एस. चक्रवर्ती, वैज्ञानिक-डी इस बैठक में उपस्थित थे। बैठक के दौरान, निदेशक केरेउअवप्रसं, बहरमपुर द्वारा यह अवगत कराया गया कि केन्द्रीय रेशम बोर्ड कृषकों के स्तर पर कोसा उपज में सुधार के लिए समय-समय पर किसानों को बेहतर शहतूत व कोसा उत्पादन तकनीकों / प्रथाओं की अनुशंसा करते आ रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि केन्द्रीय रेशम बोर्ड कृषकों के बीच नई तकनीक को लोकप्रिय बनाने के लिए जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन करने वाला है। पश्चिम बंगाल में गुणवत्तायुक्त बीज कोसा की उपलब्धता की कमी को दूर करने के लिए वाणिज्यिक अंडा उत्पादन हेतु संस्थान ने एक परियोजना के माध्यम से कृषक स्तर पर कार्य कर रही है और इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई है। आयुक्त, रेशम निदेशालय, द्वारा बीज कोसा उत्पादकता सुधार परियोजना को लागू करने के लिए हर तरह के सहयोग एवं समन्वय का आश्वासन दिया है। उन्होंने रेशम समग्र योजना-1 के आधार पर रेशम निदेशालय, पश्चिम बंगाल के 132 पदधारियों को प्रशिक्षण देने का भी अनुरोध किया। श्री सामंत, संयुक्त सचिव, क्षेत्रीय कार्यालय, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, कोलकाता द्वारा पांच साल पूरे कर चुके कृषकों को एक सप्ताह हेतु चाँकी कीटपालन पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था करने एवं उनके पंजीकरण को नवीनीकृत करने का अनुरोध किया गया। निदेशक, केरेउअवप्रसं, बहरमपुर द्वारा सहमति व्यक्त करते हुए उन्हें निधि के साथ एक औपचारिक पत्र भेजने के लिए कहा है ताकि संस्थान प्रशिक्षण गतिविधि को प्राथमिकता के तौर पर आयोजित कर सके। श्री अनाथनाथ मंडल, संयुक्त निदेशक, रेशम निदेशालय, श्री सुप्रतिम दास, उप-निदेशक, रेशम निदेशालय एवं श्री प्रमाणिक, सहायक सचिव, क्षेत्रीय कार्यालय, केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा बैठक में सक्रिय रूप से भाग लिया।



मुख्य संपादक: डॉ. किशोर कुमार, सी. एम. (निदेशक)  
संपादक: डॉ. दीपेश पंडित (वैज्ञानिक-डी)  
सहायक: श्री सुब्रत सरकार (वरिष्ठ तकनीकी सहायक)  
श्रीमती एस. कर्मकार (वरिष्ठ तकनीकी सहायक)  
श्रीमती महुआ चटर्जी (वरिष्ठ तकनीकी सहायक)  
अनुवाद: श्री चंदन कुमार साव (वरिष्ठ अनुवादक [हिंदी])



खंड 16: सं. 1  
Vol. 16: No. 1

अर्धवार्षिकी आर एण्ड डी न्यूज बुलेटिन [केरेउअवप्रसं-बहरमपुर]  
Half Yearly R&D News Bulletin [CSRTI-Berhampore]

जून, 2022  
June 2022

## EDITORIAL



CSR&TI, Berhampore is rendering R&D activities, technology innovation, extension economics & management, CBT & Skill updating and service support to the sericulture farmers / stakeholders of the E & NE regions covering 13 states namely, West Bengal, Bihar, Jharkhand, Orissa, Chhattisgarh, Sikkim, Assam, Mizoram, Manipur, Meghalaya, Nagaland, Tripura and Arunachal Pradesh. This institute takes care

of the problems of the stakeholders & give assistance for the development of rural areas through sericulture technological intervention by extension machineries of 3 RSRs and 9 RECs. The major R&D highlights during the period are, popularization of high yielding C-2038 mulberry variety among 290 farmers (38 acres) in 8 states of E & NE India. Three new genotypes C-131, B-30 & E-13 have been identified with better leaf quality & lower pest severity under irrigated conditions. 2'x2' spacing with 130% RDF gave 20% higher leaf yield and nutritive quality in C-2038. Four hormonal formulations namely, BAP (20 ppm), SNP (30 ppm), BAP+IAA (10 ppm + 2 ppm) & BAP+AA (10 ppm + 25 ppm) found to delay leaf senescence in C-2038 & S-1635 under pot conditions. The mildew resistant genotype CBP-1 recorded highest pooled seasonal leaf yield which is at par with the national check C-2038 in irrigated and 12% higher in rainfed conditions under AICEM-IV. Bio-pesticide Spinosad 45% SC with Neem cake application recorded less mulberry pest infestation. Trial of *Rotfix*, [Carbendazim (12%)+ Mancozeb (63%) @ 0.20%] found effective for control of root rot disease. BCA *Chrysoperla zastrowi sillemi* is being popularized against thrips. A new productive ICB, **12Y x BFC1** has been authorized by the Hybrid Authorization committee, CSB for the region based on the rearing performance of 2.29 lakh dfls in WB and NE which has shown an overall improvement of 12.5% and 10.2% in terms of cocoon yield and shell content, respectively over N x SK6.7. A thermo-tolerant bivoltine double hybrid WB 1.3 x WB 7.5 has been identified for OFT based on performance of OST which revealed higher thermo tolerance with 82% pupation and cocoon yield of 13.04 kg/10000 larvae, with superior in reeling parameters.

## INTERACTION (DoS, WB)

Mulberry raw silk production in West Bengal is staggering around 2300 metric tonnes per annum since last few years and limited transfer of technology and lower cocoon prices were the major reasons as perceived. In this regard Smt. Dipika Sanyamath, IAS, Commissioner of DoS, West Bengal convened a meeting with the Director, CSRTI, Berhampore, the officers of DoS head quarter, Deputy Secretary, RO. CSB, Kolkata to discuss about the issue at Commissionerate of Sericulture, Kolkata on 13<sup>th</sup> April 2022. The meeting was attended by Dr. C.M. Kishor Kumar,, Director along with Scientist's-D Dr. G. Srinivasa and Dr. S. Chakrabarty. During the meeting, Director CSRTI, Berhampore informed that CSB is recommending improved mulberry and cocoon production technologies/ practices to farmers from time to time to improve the cocoon yield at farmers level. He also mentioned that CSB is arranging a series of technology awareness programmes at grass root level to popularise the new technology among farmers. To overcome the scarcity of quality seed cocoon availability for commercial egg production in West Bengal, the institute is taking steps at the farmers level through a project and the same was discussed in details. The commissioner assured all support and coordination from DoS for implementing the seed cocoon productivity improvement project. She also requested to impart training to 132 officials of DoS, West Bengal on cost basis under the Silk Samagra-1. Shri Samanta, Joint Secretary, RO, CSB, Kolkata requested to arrange refresher training programme on Chawki rearing for one week to those who have completed five years and to renew their registration. Director, CSRTI, Berhampore has agreed and asked them to send a formal letter along with the fund so that the institute can take up training activity as a priority. Shri Anathnath Mondal, JD, DoS, Shri Suprathim Das, DD, DoS and Shri Pramanik, Asst. Secretary, RO, CSB were also participated actively in the meeting.



**Chief Editor:** Dr. Kishor Kumar C. M. (Director)

**Editor:** Dr. Dipesh Pandit (Scientist-D)

**Assistance:** Mr. Subrata Sarkar (Sr.TA)

Mrs. Subhra Karmakar (Sr.TA)

Mrs. Mahua Chatterjee (Sr.TA)

## अविके, आगरतला में टिओपि (त्रिपुरा)

केरेउअवप्रसं, बहरमपुर के तत्वावधान में, 17.02.2022 को अविके-आगरतला (त्रिपुरा) में पौष्टिक बीजाणु का पता लगाने पर एक दिवसीय प्रौद्योगिकी अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। डीएचएचएस, त्रिपुरा सरकार द्वारा चुने गए पच्चीस रेशम निदेशालय के पदधारी प्रशिक्षण में भाग लिया था। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री निमाई मुरसिंह, संयुक्त निदेशक, डीएचएचएस, त्रिपुरा सरकार द्वारा किया गया।



## सीबीटी (अविके-दीमापुर)

अविके, दीमापुर, नागालैंड द्वारा 07.02.2022 से 19.02.2022 के दौरान चौकी रेशम कीटपालन (प्रथम चरण 5 दिनों के लिए) एवं उत्तरावस्था रेशम कीटपालन (5 दिनों के लिए द्वितीय चरण) पर 10 दिवसीय कृषक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। नागालैंड की कुल 25 महिला कृषक इसमें भाग लिया। श्री. मिआनिजोटो मेयासे, उप. निदेशक, रेशम निदेशालय, दीमापुर, नागालैंड द्वारा सत्र का उद्घाटन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सभी COVID-19 प्रोटोकॉल का सख्ती से अनुपालन किया गया।

उद्घाटन सत्र में, श्री मेयासे, उप-निदेशक ने रेशमकीट को भारी नुकसान का कारण बनने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए कीटाणुशोधन प्रथाओं के महत्व का उल्लेख किया; शहतूत के साथ-साथ रेशमकीट के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के लिए अनुसंधान संस्थानों द्वारा विकसित उन्नत पैकेज को अपनाना; कृषि यंत्रोकरण; आदि इन पहलुओं पर कृषकों को उचित प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर भी प्रसन्नता व्यक्त की जो निश्चित रूप से कृषकों के कौशल को उत्कृष्ट करने के साथ ही साथ कोसा उत्पादकता को 45-50 किग्रा/100 रोमुच से 70-80 किग्रा/100 रोमुच तक ले जाने पर प्रभाव डालता है।



## ईसीपी (अविके, दीमापुर)

दिनांक 10.03.2022 को दारुगाजन ग्राम सेक्टर "बी", दीमापुर, नागालैंड में अविके, दीमापुर द्वारा शहतूत रेशम उत्पादन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अविके, दीमापुर के डॉ. कार्तिक नियोग, वैज्ञानिक-डी, श्री इम्वित नोकचुंग, एसटीए एवं श्री बाबुल मेच, एसटीए तथा राज्य रेशम उत्पादन के अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में कुल 42 कृषक शामिल हुए। सेरीविन तथा संपूर्ण के उपयोग करने की विधि से कृषकों को आवगत कराया गया।



## संयुक्त क्लस्टर संवर्धन समिति

मुर्शिदाबाद मेगा क्लस्टर की जेसीपीसी बैठक 26<sup>वीं</sup> मार्च, 2022 को कृष्णनगर, नदिया (प.ब.) में उपनिदेशक, डीओएस, कृष्णनगर के कार्यालय में आयोजित की गई। डॉ. किशोर कुमार, सी.एम., निदेशक, डॉ. श्रीनिवास, वैज्ञानिक-डी, केरेउअवप्रसं, बहरमपुर एवं डॉ. एस.एन. बागची, वैज्ञानिक-डी (एसएसपीसी बहरमपुर), श्री सुप्रतिम दास (उप. निदेशक, राज्य रेशम दफ्तर) ने बैठक में भाग लिया। वर्ष 2021-22 के दौरान लक्ष्य के मुकाबले द्विप्रज संकर की प्रगति तथा आईसीबी बीज चकति पालन एवं कर्च रेशम उत्पादन पर चर्चा की गई। यह देखा गया है कि 4.00 लाख रोमुच (102.58%) के लक्ष्य के मुकाबले आईसीबी बीज चकति का वितरण 4.10 लाख था तथा इससे 46.14 किलोग्राम/100 रोमुच की औसत कोसा उपज प्राप्त हुई जबकि द्विप्रज हाइब्रिड रोमुच वितरण 3.25 लाख (36.95%) लक्ष्य के मुकाबले औसत कोकन उपज 54.54 किग्रा/100 रोमुच के साथ 1.20 लाख था। क्लस्टर प्रभारी से अनुरोध किया गया था कि वे निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए द्विप्रज संकर बीज चकति की पालन मात्रा को बढ़ाएं। निदेशक द्वारा यह उल्लेख किया गया है कि क्लस्टरों में केंद्रीय रेशम बोर्ड कीसीडीएफ उपलब्ध नहीं होने से डीओएस काउंटर पार्ट्स नेक्लस्टर क्षेत्र में आयोजित किए जाने वाले जागरूकता कार्यक्रमों एवं प्रदर्शनों के दौरान संस्थान में उपलब्ध विषय विशेषज्ञों की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं।



## ईसीपी (अविके-शिलांग)

अविके-शिलांग ने रेशम उत्पादन व बुनाई विभाग, पूर्वी खासी हिल्स जिला, मेघालय सरकार के समन्वय से 2 प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया।

पहला कार्यक्रम दिनांक 23.02.2022 को नौघाली गाँव में था जिसमें 22 कृषक उपस्थित थे तथा दूसरा कार्यक्रम दिनांक 24.02.2022 को म्यारिआंग गाँव में था जिसमें 21 कृषकों ने भाग लिया।

डॉ. एन. बालचंद्रन, वैज्ञानिक-डी, अविके-शिलांग एवं श्री के. यूजीन डीएसओ, पूर्वी खासी हिल्स जिले तथा श्री शांगप्लियांग, रेशम कृषक प्रदर्शक ने केरेउअवप्रसं, बहरमपुर द्वारा विकसित नए कीटाणुनाशक "निर्मूल" व संस्तर कीटाणुनाशक "सेरी-विन" का प्रदर्शन किया। छिड़काव हेतु घोल तैयार करने की विधि तथा निर्मूल के जरिए कीटपालन गृह, कीटपालन उपकरणों व आस-पास के क्षेत्रों को विसंक्रमण करने के लिए आवश्यक मात्रा तथा प्रत्येक इंस्टार के लिए नए संस्तर कीटाणुनाशक सेरी-विन के लिए आवश्यक खुराक एवं अनुप्रयोग की विधि सभी लाभार्थियों को प्रदर्शित की गई। कृषक निर्मूल एवं सेरी-विन के बारे में जानने के लिए बहुत उत्सुक होने के साथ ही साथ आश्वस्त थे कि इन रोगाणुनाशी के उचित उपयोग से उन्हें अच्छी फसल प्राप्त करने में मदद मिलेगी।



## TOP at REC-Agartala (Tripura)

Under the aegis of CSR&TI, Berhampore, one day Technology orientation programme on detection of Pebrine spore was organized at REC-Agartala (Tripura) on 17.02.22. Twenty five DoS officials selected by DHHS, Govt. of Tripura participated in the training. The Programme was inaugurated by Sri Nimai Murasingh, Joint Director, DHHS, Govt. of Tripura.



## CBT (REC-Dimapur)

A 10-days long Farmers Skill Training programme on Chawki silkworm rearing (1<sup>st</sup> phase for 5 days) and Late Age Silkworm rearing (2<sup>nd</sup> phase for 5 days) was organized by REC, Dimaapur, Nagaland during 07.02.2022 to 19.02.2022. A total of 25 women farmers of Nagaland, participated. Mr. Mhianizoto Meyase, Dy. Director, DoS, Dimaapur, Nagaland inaugurated the session. All COVID-19 protocol was strictly followed during training programme.

In inaugural speech, Mr. Meyase, Dy. Director mentioned the importance of disinfection practices for containment of diseases that cause heavy loss of worms; adoption of improved package of practices developed by research institutes for enhancement of production and productivity of mulberry as well as silkworms; farm mechanization; proper training to the farmers on these aspects etc. He also expressed his happiness for conducting such training programme that surely enhance the skill of the farmers and have an impact on enhancing the cocoon production up to 70-80 kg of green cocoons from the present trend of 45-50 kg/ 100 dfls.



## ECP (REC-Dimapur)

An Awareness programme on Mulberry sericulture was organized by REC, Dimaapur at Darugajan Village Sector "B", Dimaapur, Nagaland on 10.03.2022. Dr. Kartik Neog, Sci-D, Shri Imti Nokchung, STA and Shri Babul Mech, STA of REC, Dimaapur and officials from state sericulture participated. A total of 42 farmers attended. The demonstration on use of SERIWIN and SAMPOORNA was done to the farmers.



## Joint Cluster Promotion Committee

The JCPC meeting of Murshidabad mega cluster was held at Krishnanagar, Nadia (WB) on 26<sup>th</sup> March, 2022 at the office of the Dy. Director, DoS, Krishnanagar. Dr. Kishor Kumar. C.M., Director, Dr. Srinivasa, Sci-D, CSRTI, Berhampore and Dr. S.N. Bagchi, Sci-D (SSPC Berhampore), Shri Supratim Das (DD, DoS) attended the meeting. The progress of Bv. hybrid and ICB layings and raw silk production against the target during 2021-22 was discussed. It has been observed that the ICB layings distribution was 4.10 lakh against the target of 4.00 lakh dfls (102.58%) and achieved an average cocoon yield of 46.14 kg/ 100 dfls, whereas the bivoltine hybrid dfls distribution was 1.20 lakh against the target of 3.25 lakh (36.95%) with an average cocoon yield of 54.54 kg/100 dfls. The cluster incharge was requested to increase the Bv hybrid layings intake to achieve the set target. The Director mentioned that as the CSB CDFs are not available in the clusters, the DoS counter parts may utilize the services of subject matter specialists available in the institute during awareness programmes and demonstrations whenever arranged in the cluster area.



## ECP (REC -Shillong )

REC -Shillong organized two (02) Technology Demonstration programmes in co-ordination with Department of Sericulture & Weaving, East Khasi Hills district, Govt. of Meghalaya.

The first programme was on 23.02.2022 at Nonghali village in which Twenty two farmers participated & the second programme was on 24.02.2022 at Mynriang village in which twenty one farmers participated.

Dr. N.Balachandran Sci-D, REC-Shillong and Mr.K.Eugene DSO, East Khasi Hills district and Mr. Shangpliang, Sericulture Demonstrator demonstrated the new disinfectant "**Nirmool**" and the bed disinfectant "**Seri-Win**" developed by CSRTI-Berhampore. The method of preparation of the spray solution and quantum required in case of Nirmool for disinfecting the rearing house, rearing appliances & surroundings and dosages required for new bed disinfectant Seri-Win for each instar and method of application were demonstrated to the participant beneficiaries. The farmers were very keen to know about Nirmool and Seri-win and convinced that proper usage of these disinfectants will help them in getting good crop harvests.



## ईसीपी (अविके-शिलांग)

अविके-शिलांग द्वारा डॉसडब्ल्यू, पश्चिम जयंतिया हिल्स जिला, मेघालय सरकार के समन्वय से कडीप गांव में दिनांक 25.02.2022 को एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। डॉ. एन. बालचंद्रन, वैज्ञानिक-डी, अविके-शिलांग एवं श्री आर. सिंजरी, डीएसओ, पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले ने कार्यक्रम में भाग लिया। कडीप तथा आसपास के गांवों के पचास महिला रेशम उत्पादन कृषकों ने कार्यक्रम में भाग लिया। गुणवत्तायुक्त शहतूत पर्ण के उत्पादन के लिए शहतूत कृषि की प्रचलित पैकेज, चॉकी कीटपालन व रोगाणुनाशन का महत्व तथा कीटपालन में स्वच्छता के रखरखाव एवं सफल बाइवोल्टाइन फसल कटाई के लिए उत्तरावस्था कीटपालन प्रबंधन के बारे में लाभार्थियों को विस्तृत तरीके से अवगत कराया गया।



दिनांक 03.03.2022 को थडमुसेम गांव में एक अन्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। थडमुसेम एवं आसपास के गांवों की लगभग 50 महिला रेशम उत्पादन कृषकों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में गुणवत्तायुक्त शहतूत पर्ण के उत्पादन के लिए शहतूत कृषि की प्रचलित पैकेज, चॉकी कीटपालन व रोगाणुनाशन का महत्व तथा कीटपालन में स्वच्छता के रखरखाव एवं सफल बाइवोल्टाइन फसल कटाई के लिए उत्तरावस्था कीटपालन प्रबंधन के बारे में लाभार्थियों को विस्तृत तरीके से अवगत कराया गया।



## सीबीटी (अविके-शिलांग)

अविके-शिलांग द्वारा 28.02.2022 से 12.03.2022 के दौरान 15 दिनों के लिए डीएसओ कार्यालय, नोंगपोह एवं डीओएस फार्म-मावसिंताई में री भोई जिले में एरीकल्चर कृषकों के फायदा के लिए एक सीबीटी व एसयू कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन दिनांक 28.02.2022 को डीएसओ श्रीमती आर.बी. लिंगवा एवं श्री एल. रिम्पेई, रेशम उत्पादन निरीक्षक द्वारा किया गया। आस-पास के गांवों के कुल 34 कृषकों एवं डीओएसडब्ल्यू, मेघालय के 20 रेशम उत्पादक प्रदर्शकों ने भाग लिया। किसानों के लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाएं अर्थात्, अर्थशास्त्र व उद्यमिता, परपोषी पौधों की खेती, परपोषी पौधों एवं रेशमकीट पालन दोनों में पीड़क व रोग प्रबंधन, रेशम कीटपालन तकनीक, सूक्ष्मदर्शी का उपयोग करके मातृशलभ का परीक्षण, कीटपालन गृह में विसंक्रमण एवं स्वच्छता के महत्व जैसे विषयों का सिद्धांत और व्यावहारिक प्रयोग दिखाया गया। इसके अलावा, पोस्टकोकन प्रौद्योगिकी पर नवीनतम तकनीकों और ज्ञान को शामिल किया गया, जिसमें कोकन पकाना, छंटाई और ग्रेडिंग और नवीनतम कटाई तकनीक और पारंपरिक कटाई तकनीक भी शामिल थी।



## एनईआरटीपीएस गतिविधियां

प्रभारी अविके, दीमापुर एवं राज्य विभाग सहित सीएसबी के अधिकारियों के संयुक्त सत्यापन दल (जेवीटी) द्वारा एनईआरटीपीएस के तहत कोसोतर प्रौद्योगिकी परियोजना के कार्यान्वयन में हुई प्रगति के सत्यापन के लिए मोकोकचुंग, नागालैंड का दौरा किया गया। परियोजना वर्ष 2016-17 और 2017-18 के दौरान मेसर्स समरुडी द्वारा रेशम उत्पादन विभाग, नागालैंड सरकार के सहयोग से कार्यान्वित किया गया था। जेवीटी द्वारा 24 व 25 फरवरी, 2022 को परियोजना कार्यान्वयन क्षेत्रों का दौरा किया गया।



## टीटीपी (अविके-दीमापुर)

अविके-दीमापुर द्वारा नागालैंड में एरी रेशम उद्योग में सुधार हेतु 2 से 07 मई, 2022 के दौरान डीओएस, नागालैंड के राज्य स्तरीय कर्मचारियों के लिए 6-दिवसीय प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चार जिलों अर्थात् लॉन्गलैंग, जून्हेबोटो, सोम और त्युएनसांग डीओएस, नागालैंड द्वारा नामित पंद्रह अधिकारी व पदधारी ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री विकेली पियेनु, उप-निदेशक, डीओएस, प्रधान कार्यालय, कोहिमा, डॉ. बी.के. सिंह, निदेशक (सेवानिवृत्त), केंद्रीय रेशम बोर्ड एवं डीओएस के सलाहकार, श्री मियानिजोतो मेयासे, उपनिदेशक, डीओएस, नागालैंड, डॉ. कार्तिक निओग, वैज्ञानिक-डी तथा केंद्रीय रेशम बोर्ड व डीओएस के अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया।

अपने उद्घाटन भाषण में, श्री विकेली पियेनु, उप-निदेशक द्वारा देश में सर्वोपरि एरी व मुगा उत्पादक राज्य बनने के उद्देश्य के साथ रेशम उद्योग के समग्र विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की राज्य रेशम विभाग द्वारा शुरू की गई विभिन्न परियोजनाओं और योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दिया गया। डॉ. बी.के. सिंह, निदेशक (सेवानिवृत्त), केंद्रीय रेशम बोर्ड द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान रेशम उत्पादन पर विभिन्न परियोजनाओं के कार्यान्वयन तथा आने वाले वर्षों के दौरान कार्यान्वित की जाने वाली परियोजनाओं पर अपना वक्तव्य रखा गया। उन्होंने यह भी कहा कि एरी खाद्य पौधों के साथ-साथ रेशमकीट के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के लिए अनुसंधान संस्थानों द्वारा विकसित बेहतर पैकेज को अपनाकर नागालैंड को असम के बाद देश में दूसरा सबसे बड़ा एरी उत्पादक राज्य बनने की पूरी संभावना है; कृषि यंत्रीकरण; इन पहलुओं पर भी किसानों को उचित प्रशिक्षण आदि मुहैया कराया गया। उन्होंने डीओएस के सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस तरह के एक प्रशिक्षण कार्यक्रम को मंजूरी देने पर भी प्रसन्नता व्यक्त किया है।



दिनांक 19.04.2022 को एएससी, खानापारा, गुवाहाटी में आयोजित एनईएसएसी शिलांग द्वारा पूर्वोत्तर राज्यों में एनईआरटीपीएस परियोजनाओं के तहत बनाई गई एस्सेट्स की जियो-टैगिंग पर कार्यशाला का समापन

**ECPs (REC-Shillong)**

An Awareness Programme was organized by REC -Shillong in coordination with DOSW, West Jaintia Hills district, Govt. of Meghalaya at Kdiap village on 25.02.2022. Dr.N.Balachandran Sci-D, REC-Shillong and Mr. R. Synjri, DSO, West Jaintia Hills district attended. Fifty women sericulture farmers of the Kdiap and nearby villages participated. The package of practices for mulberry cultivation to produce quality mulberry leaves, importance of chawki rearing and disinfection and maintenance of hygiene in rearing and the late age rearing management practices for successful bivoltine crop harvest were explained in a detailed manner to the beneficiaries.



Another Awareness Programme was organized at Thadmusem village on 03.03.2022. About 50 women sericulture farmers of Thadmusem and nearby villages participated. The package of practices for mulberry cultivation to produce quality mulberry leaves, importance of chawki rearing and disinfection & maintenance of hygiene in rearing and the late age rearing management practices for successful bivoltine crop harvest were briefed in the function.

**CBT (REC-Shillong)**

REC-Shillong organized a CBT and SU programme at Ri Bhoi district for the benefit of **Ericulture** farmers at DSO Office, Nongpoh and DoS Farm-Mawsyntai for 15 days during 28.02.2022 to 12.03.2022. It was inaugurated on 28.02.2022 by DSO Mrs. R.B.Lyngwa and Mr. L. Rympei Sericulture Inspector. A total of 34 farmers from nearby villages and 20 sericulture Demonstrators of DoS & W Meghalaya participated. Topics like various Govt. schemes available for the farmers, economics and entrepreneurship, cultivation of host plants, pest and disease management in both host plants and silkworm rearing, silkworm rearing technology, mother moth examination and testing using microscopes, the importance of disinfection and hygiene in silkworm rearing were shown as theory and practical. In addition latest techniques and knowledge on post cocoon technology covering cooking, sorting and grading of cocoons and latest spinning technology and also traditional spinning technology were also imparted to the participants.

**NERTPS ACTIVITIES**

The Joint Verification Team (JVT) comprising officials of CSB including the In-Charge REC, Dimapur and State Department visited Mokokchung, Nagaland for verification of progress achieved in implementation of Post Cocoon Technology Project under NERTPS. The project was implemented by M/s Samvrudi in association with Department of Sericulture, Govt. of Nagaland during the year 2016-17 and 2017-18. The JVT visited the project implementation areas on 24<sup>th</sup> & 25<sup>th</sup> Feb., 2022.

**TTP (REC-Dimapur)**

REC-Dimapur organised a 6-days Trainers' Training Programme on **Ericulture** to the staff of DoS, Nagaland during 2<sup>nd</sup> to 07<sup>th</sup> May, 2022. to improve Eri Silk Industry in Nagaland. Fifteen officers and officials nominated by DoS, Nagaland from four districts viz. Longleng, Zunheboto, Mon and Tuensang participated. The programme was inaugurated in presence of Mr. Vikehelie Pienyu, Dy. Director, DoS, Head Office, Kohima, Dr. B.K. Singh, Director (Retd.), CSB and also Consultant of DoS, Mr. Mhianizoto Meyase, Dy. Director, DoS, Nagaland, Dr. Kartik Neog, Sci-D and other staff of CSB and DoS.

In his inaugural speech, Mr. Vikehelie Pienyu, Dy. Director elaborately informed about the genesis of the training programme and also various projects and schemes taken up by the department for overall development of sericulture industry with an ultimate aim to become a major eri and muga growing state in the country. Dr. B.K. Singh, Director (Retd.), CSB pointed out several points on implementation of various projects on sericulture during last three years and projects to be implemented during next years to come. He expressed that Nagaland has got every potentiality to become the second largest eri producing state in the country next to Assam by adoption of improved package of practices developed by research institutes for enhancement of production and productivity of eri food plants well as silkworms; farm mechanization; proper training to the farmers on these aspects *etc.* He also expressed his happiness on sanctioning such a training programme by competent authority of DoS.



*Concluding Workshop on Geo-tagging of Assets created under the NERTPS projects in the North Eastern states by NESAC Shillong held at AASC, Khanapara, Guwahati on 19.04.2022*

## सफलता की कहानी (अविके, अगरतला)



**नाम:** श्रीमती झिमलीबाला बैद्य

**पति का नाम:** श्री प्रांजीत बैद्य

**Age :** 43 साल.

**शैक्षिक योग्यता:** VIII<sup>th</sup> std.

**पता:** ग्राम: पश्चिम मुहुरीपुर, पोस्ट. मुहुरीपुर, जिला: दक्षिण त्रिपुरा, राज्य-त्रिपुरा

**मोबाइल नं.:** 8732856259

श्रीमती झिमलीबाला बैद्य एक प्रमुख रेशम उत्पादन कृषक तौर पर कार्य कर रही हैं। साथ ही वे गांव के अन्य लोगों के आर्थिक उत्थान / विकास के लिए मदद कर रही हैं। उनके पास S-1635 व S-1 की उच्च उपज देने वाली शहतूत प्रजातियां हैं। इसके आलावे वे द्विप्रज व आईसीबी रेशमकीट का पालन करती हैं। वे कीटपालन गृह एवं उपकरणों का विसंक्रमण स्प्रे मशीन के द्वारा करती हैं और उनके पास सिंचाई के लिए एक इलेक्ट्रिक मोटर है। श्रीमती झिमलीबाला बैद्य के शहतूत रेशम उत्पादन की लाभकारी गतिविधि को देखकर उनकी पड़ोसी श्रीमती रंकी नामा गुहा एवं श्रीमती सोमा पॉल (दास) द्वारा भी गांव में इस व्यवसाय का आरंभ किया गया। श्रीमती झिमलीबाला बैद्य का लक्ष्य गांव में शहतूत के क्षेत्रफल को बढ़ाना है।

वर्ष	ली गई फसलों की संख्या	कीटपालित रोमुच / फसल की सं.	कुल शस्यित कोसा (किग्रा. / वर्ष)	कुल आय (रु.)	शुद्ध आय (रु.)
2019-20	5	80	175	52,500	42,000
2020-21	5	80-90	185	55,500	45,000
2021-22	5	80-90	192	57,600	47,000



## बीएचपी डबल संकर का मूल्यांकन

मार्च-अप्रैल, 2022 के दौरान, 100 रोमुच नियंत्रण के साथ कृषक स्तर पर बीएचपी डबल संकर के कुल 400 रोमुच कीटपालित किए गए। प्रति 100 रोमुच औसत कोसा उपज बीएचपी संकर के लिए 50.40 किलोग्राम तथा नियंत्रण के लिए 38.90 किलोग्राम दर्ज किया गया। दस (10) कृषकों द्वारा कीटपालन किया गया और इससे 234.20 किलो जीवित कोकून प्राप्त किया जो डीओएस, दीमापुर को @ रु. 400/किग्रा. की दर से विक्रय किया।



## न्यूज एवं व्यूज के लिए लेख सामग्री

निदेशक, केरेउअवप्रसं, बहरमपुर का यह दृढ़ संकल्प है कि आशाजनक शोध, उपलब्धियों, प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण, प्रक्षेत्र परीक्षणों, निर्देशनों, कृषक दिवस, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों पर इस अर्ध-वार्षिकी न्यूज बुलेटिन को नियमित रूप से प्रकाशित किया जाए। इस संस्थान तथा क्षेत्रों के, अविके तथा उप-इकाई अविके और पूर्वी तथा उत्तर-पूर्वी राज्यों में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारी सदस्यों से अनुरोध है कि वे प्रकाशन हेतु निदेशक, केरेउअवप्रसं, बहरमपुर(प.ब.) के नाम अपनी लेख सामग्रियों को भेजें। संसूचना [csrtiber@csb.nic.in](mailto:csrtiber@csb.nic.in) / [csrtiber@gmail.com](mailto:csrtiber@gmail.com) पर ई-मेल के द्वारा किया जा सकता है।

## वैज्ञानिकों की प्रतिभागिता

केरेउअवप्रसं, बहरमपुर द्वारा 5 एवं 6 जनवरी, 2022 के दौरान "रेशम उत्पादन पर सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग" पर एक द्विवाचक कार्यशाला- सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

❖ केरेउअवप्रसं, बहरमपुर तथा इसके अधीनस्थ केन्द्रों के सभी वैज्ञानिकों ने भाग लिया था।

दिनांक 28 से 29 अप्रैल, 2022 के दौरान कृष्णादेवराय विश्वविद्यालय, अनंतपुरम, आंध्रप्रदेश में रेशम उत्पादन में उदयमिता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

❖ डॉ. एन. बालाचंद्रण, वैज्ञानिक-डी, अविके-शिलांग

परियोजना के पूरा होने पर एक दिवसीय कार्यशाला अर्थात् एनईआर में सीएसबी के एनईआरटीपीएस कार्यक्रम के तहत बनाई गई जियो टैगिंग एस्सेट्स का आयोजन 19 अप्रैल, 2022 को असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज, गुवाहाटी में किया गया।

❖ डॉ. पी. कुमारेसन, वैज्ञानिक, आरएसआरएस, जोरहाट एवं

❖ डॉ. एन. बालाचंद्रण, वैज्ञानिक-डी, अविके-शिलांग

18 जून, 2022 से 8 जुलाई, 2022 के दौरान आईसीएआर-आईजीआरएफआई, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय एवं एनएडीसीएल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "जलवायु परिवर्तन के साथ टिकाऊ पशुधन व फसल उत्पादन प्रौद्योगिकियों में हालिया रुझान" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम।

❖ डॉ. सुरेश, के., वैज्ञानिक-सी, केरेउअवप्रसं, बहरमपुर

तमिलनाडु पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (TANUVAS), चेन्नई, तमिलनाडु में 9 से 13 मई, 2022 के दौरान आयोजित "CRSPR/Cas आधारित आणविक निदान" पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

❖ डॉ. एन. चंद्रकांत, सुरेश, के., वैज्ञानिक-सी, केरेउअवप्रसं, बहरमपुर

## आर एंड डी बैठकें

❑ केरेउअवप्रसं, बहरमपुर की आरएसी की 54<sup>वीं</sup> बैठक 21 और 22 जनवरी, 2022 को द्विवाचक मोड में आयोजित की गई। (Physical / Virtual).

❑ केरेउअवप्रसं, बहरमपुर की आरसी की 59<sup>वीं</sup> बैठक 18 और 19 जनवरी, 2022 को संपन्न हुई।

❑ केरेउअवप्रसं, बहरमपुर की आरसी की 60<sup>वीं</sup> बैठक 22 अप्रैल, 2022 को संपन्न हुई।

## मूल्यांकन : ए.जे.एन.आई.एफ.एम. द्वारा

अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एजेएनआईएफएम) की सुश्री मृदुस्मिता शर्मा द्वारा नीति आयोग के निर्देशानुसार केंद्रीय रेशम बोर्ड की गतिविधियों का अध्ययन कर मूल्यांकन के तौर पर प्रासंगिक डेटा एकत्र करने हेतु हितधारकों के साथ बातचीत करने के लिए मालदा (4 और 5 मई, 2022 को) और मुर्शिदाबाद जिलों (6 और 7 मई, 2022 को) का दौरा किया गया। सीएपीआई टूल का उपयोग करते हुए फोकस्ड ग्रुप डिस्कशन (एफजीडी), मुख्य सूचक साक्षात्कार (केआईआई) और रीयल टाइम फील्ड सर्वेक्षण का अनुसरण कर डेटा एकत्र किया गया। केरेउअवप्रसं, बहरमपुर के वैज्ञानिकों के साथ भी दल द्वारा विचार-विमर्श किया गया।



प्रकाशक

डॉ. किशोर कुमार, सी. एम., निदेशक

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान

केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, बहरमपुर - 742 101,

+919800873374, 03482-224713, FAX: +91 3482 224714

EPBAX: 224716/17/18

[csrtiber.csb@nic.in](mailto:csrtiber.csb@nic.in) / [csrtiber@gmail.com](mailto:csrtiber@gmail.com); [www.csrtiber.res.in](http://www.csrtiber.res.in)

## Success Story (REC, Agartala)



**Name:** Smt. Jhimlibala Baidya.

**Husband Name:** Shri Pranjit Baidya

**Age :** 43 years.

**Educational Qualification:** VIII<sup>th</sup> std.

**Address:** Vill: West Muhuripur,  
P.O. Muhuripur, Dist: South Tripura,  
State-Tripura

**Contact No.:** 8732856259

**Smt Jhimlibala Baidya** is acting as a lead sericulture farmer and helping others for their economic upliftment / development in the village. She is having high yielding mulberry variety of S-1635 & S-1 and rears bivoltine & ICB silkworms. She possesses a Spray machine for disinfection of rearing room and appliances and has an electric motor for irrigation. By seeing the beneficial activity of mulberry sericulture of Smt. Jhimlibala Baidya the neighbour, Smt. Rinki Nama Guha and Smt. Soma Paul (Das) has started this avocation in the village. Smt Jhimlibala Baidya has a target of her own to increase the acreage of mulberry in the village.

Year	No. of crops taken	No. of dfls reared /crop	Total cocoons harvested (kg/yr.)	Total income (Rs.)	Net income (Rs.)
2019-20	5	80	175	52,500	42,000
2020-21	5	80-90	185	55,500	45,000
2021-22	5	80-90	192	57,600	47,000



## Evaluation of BHP double hybrids

During March-April, 2022, a total 400 dfls of BHP double hybrids were reared at farmers' level along with 100 dfls of control. An average cocoon yield per 100 dfls was **50.40 kg for BHP hybrid and 38.90 kg for control**. Ten (10) farmers conducted the rearing and got 234.20 kg green cocoons which were sold to DoS, Dimapur @ Rs. 400/ kg.



## ARTICLES FOR NEWS &amp; VIEWS

Director, CSRTI-Berhampore publishes half-yearly News Bulletin regularly on promising research findings, ToT, Field Trials, Demonstrations, Farmers' Day, Training Programmes and other important events. Officers and Staff working at main institute, RSRs and RECs of Eastern & North Eastern states are requested to communicate articles to Director, CSRTI-Berhampore, West Bengal for publication. Communication may also be made by E-mail to [csrtiber.csb@nic.in](mailto:csrtiber.csb@nic.in) / [csrtiber@gmail.com](mailto:csrtiber@gmail.com)

## Scientists Participation

CSR&TI, Berhampore organized a dual mode Workshop cum Training programme on "**Application of Statistical tools on sericulture**" during 5<sup>th</sup> & 6<sup>th</sup> January, 2022.

❖ **All Scientists, CSRTI-Berhampore attended physically and Scientists of nested units attended virtually.**

National seminar on **Entrepreneurship in Sericulture** at Krishnadevaraya University, Anantapuramu, Andhrapradesh during 28<sup>th</sup> to 29<sup>th</sup> April, 2022.

❖ **N. Balachandran, Sci-D, REC, Shillong.**

One day workshop on completion of the project viz. **Geo tagging of assets created under NERTPS program of CSB in NER** on 19<sup>th</sup> April, 2022 at Assam Administrative staff college, Guwahati

❖ **P. Kumareshan, Sci-D, RSRS, Jorhat &**

❖ **N. Balachandran, Sci-D, REC, Shillong.**

Online training on "**Recent trends in sustainable livestock & crop production technologies vis-à-vis climate change**" organized by ICAR-IGRFI, Bihar Animal Science University and NADCL jointly during 18<sup>th</sup> June, 2022 to 8<sup>th</sup> July, 2022.

❖ **Suresh, K., Sci-C, CSRTI-BHP.**

5 days training programme on "**CRSPR/Cas based molecular diagnostics**" held during 9<sup>th</sup> to 13<sup>th</sup> May, 2022 at Tamilnadu Veterinary and Animal Sciences University (TANUVAS), Chennai, Tamilnadu.

❖ **Dr. N. Chandrakanth, Sci-C, CSRTI-BHP.**

## R &amp; D MEETINGS

- ❑ 54<sup>th</sup> meeting of RAC of CSRTI-BHP was held on 21 & 22<sup>nd</sup> January, 2022 in dual mode (Physical / Virtual).
- ❑ 59<sup>th</sup> meeting of RC of CSRTI-BHP was held on 18<sup>th</sup> and 19<sup>th</sup> January, 2022.
- ❑ 60<sup>th</sup> meeting of RC of CSRTI-BHP was held on 22<sup>nd</sup> April, 2022

## Evaluation : By AJNIFM

Ms. Mridusmita Sarmah from Arun Jaitley National Institute of Financial Management (AJNIFM) visited Malda (on 4<sup>th</sup> & 5<sup>th</sup> May, 2022) and Murshidabad districts (on 6<sup>th</sup> & 7<sup>th</sup> May, 2022) to interact with the stakeholders to collect relevant data as part an evaluation study of CSB activities as per the direction of NITI Ayog, GOI. Focussed Group Discussion (FGD), Key Informant Interview (KII) and real time field survey using CAPI tools was followed to collect the data. The team also interacted with the Scientists of CSRTI, Berhampore.



Published By

**Dr. Kishor Kumar C.M., Director**  
**Central Sericultural Research & Training Institute**

Central Silk Board, Ministry of Textiles, Govt. of India  
Berhampore-742101, Murshidabad, West Bengal, India

+919800873374, 03482-224713, FAX: +91 3482 224714

EPBAX: 224716/17/18

[csrtiber.csb@nic.in](mailto:csrtiber.csb@nic.in) / [csrtiber@gmail.com](mailto:csrtiber@gmail.com) ;

[www.csrtiber.res.in](http://www.csrtiber.res.in)